পাঠ
पाठ 19

পিকনিক

গোবিন্দ : চল, বড়দিনের ছুঁটিতে আমরা একটা পিকনিক করি। সবাম্প রাজী আছিস তো?

সবাম্প : হ্যাঁ হ্যাঁ, ঠিক আছে। আমরা সবাম্প রাজী।

হাসান : কোথায় যাওয়া যায়?

জোসেফ : আচ্ছা, ডায়মণ্ড হারবারে যাওয়া যাক।

রঞ্জিত : না না, ডায়মণ্ড হারবার অনেক দূর। কাছাকাছি কোথাও যাওয়া যাক।

হাসান : কাছাকাছির মধ্যে বোটানিক্যাল গার্ডেনম্প তো ভাল।

জোসেফ : বেশ, তাম্প হোক। একজন গিয়ে ঐ জায়গাটা দেখে আসুক।

গোবিন্দ : ও আর দেখার কি আছে? বরং কি কি রান্না হবে তাম্প ঠিক করা যাক।

पिकनिक

गोविन्द : चलो, हमलोग बड़ेदिन की छुट्टी में एक पिकनिक पर चलें। तुम सब सहमत तो हो?

सभी : हाँ हाँ, ठीक है। हम सब सहमत हैं।

हसन : कहाँ चलेंगे?

जोसफ : चलो, हम डायमंड हार्बर चलें।

रंजित : नहीं नहीं, डायमड हार्बर बहुत दूर है। कहीं आसपास चलें।

हसन : आसपास में तो बोटानिकल गार्डन ही है।

जोसफ : ठीक है, वहीं सही। एक आदमी वहाँ जाकर जगह देख आए।

गोविन्द : देखने की ज़रूरत क्या है? क्या क्या खाना बनेगा, यह तय किया जाए।

জোসেফ : মুর্গীর মাংস আর লুচি। সঙ্গে আলুর দম, বেগুনী, ছোলার ডাল, ফিস ফ্রাম্প আর চাঁনি রান্না করা হোক। রসগোল্লা তো আমরা দোকান থেকেম্প নিয়ে নেব।

হাসান : এখন ঠিক করা যাক, বাজার করার দায়িত্ব কাদের দেওয়া হবে?

রঞ্জিত : অশোক আর সুধীর দুজনে মিলে বাজার করুক।

অশোক : আমি বরং রান্নার দায়িত্ব নিচ্ছি। অন্য কেউ বাজারা করুক।

অরুণ : ঠিক আছে, আমিম্প বাজারের কাজা নিচ্ছি। কিন্তু, কোনা কতো লাগবে তা আমাকে বলে দাও।

অশোক : আমরা তো প্রায় কুড়ি জন। তাম্প দুম্প কিলোগ্রাম ময়দা, দুম্প কিলোগ্রাম বাসমতী চাল, এক কিলোগ্রাম বেসন, তিন কিলোগ্রাম ছোলার ডাল, চার কিলোগ্রাম মুর্গীর মাংস, পাঁচ কিলোগ্রাম মাছ, পাঁচ কিলোগ্রাম আলু, দুম্প কিলোগ্রাম বেগুন, দুটা নারকেল, দুম্প কিলোগ্রাম ঁমেটা, দুম্প

জोसफ : मुर्गी का मांस और पूड़ी। साथ में आलूदम, बैंगन के पकौड़े, चने की दाल, फिश फ्राय और चटनी बनाई जाए। रसगुल्ले तो हम बाज़ार से ही ले लेंगे।

हसन : अब यह तय कर लें कि, बाज़ार से खरीदी करने का काम किसे सौंपा जाए?

रंजित : अशोक और सुधीर दोनों मिलकर बाज़ार से खरीदी करें।

अशोक : मैं तो खाना पकाने की ज़िम्मेदारी ले रहा हूँ। बाज़ार का काम कोई और कर लें।

अरूण : ठीक है, बाज़ार का काम मैं ले रहा हूँ। किंतु क्या-क्या लाना है और कितना लाना है यह मुझे बता दो।

अशोक : हम लगभग बीस लोग हैं। इसलिए दो किलोग्राम मैदा, दो किलोग्राम बासमती चावल, एक किलोग्राम बेसन, तीन किलोग्राम चने की दाल, चार किलोग्राम मुर्गी मांस, पाँच किलोग्राम मछली, पाँच किलोग्राम आलू, दो किलोग्राम बैंगन, दो नारियल, दो किलोग्राम टमाटर, दो किलोग्राम तेल, एक किलोग्राम प्याज, पाँच सौ ग्राम अदरक, एक सौ ग्राम लहसुन तथा शक्कर, नमक एवं अन्य मसाले लाना होगा।

কিলোগ্রাম তেল, এক কিলোগ্রাম পেঁয়াজ, পাঁচশো গ্রাম আদা, একশো গ্রাম রসুন। তাছাড়াও চিনি, নুন ও অন্যান্য মসলাপাতিও আনতে হবে।

গোবিন্দ : এরকম হলে আপাততঃ মাথাপিছু একশো ৲াকা করে চাঁদা তোলা যাক। তারপর দেখা যাবে।

হাসান : ঠিক আছে। ওখানে যাওয়ার জন্যে গাড়ী ঠিক করার পর সময়৷ সবাম্পকে জানানো হবে।

অশোক : চল, আজকে ওঠা যাক।

गोविन्द : ऐसा है तो प्रति व्यक्ति से एकसौ रुपये चंदा उगाहा जाए। उसके बाद देखा जाएगा।

हसन : ठीक है। वहाँ जाने के लिए गाड़ी तय करने के बाद सभी को समय दी जाएगी।

अशोक : अच्छा, अब चला जाए।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
চল	चलो
কাছাকাছি	आसपास
আসুক	आने दो
লুচি	पूड़ी
মিষ্টি	मिठाई
নেবো	लेंगे
বাজার	बाज़ार
দায়িত্ব	दायित्व, ज़िम्मेदारी

কারা	কৌন
নিচ্ছি	ले रहा हूँ
কুড়ি	बीस
ময়দা	मैदा
পাঁচশো	पाँच सौ
নারকেল	नारियल
সরষের	सरसों का
তেল	तेल
পেঁয়াজ	प्याज़
আদা	अदरक
রসুন	लहसुन
লঙ্কা	मिर्ची
অল্প	थोड़ा
নুন	नमक
মাথাপিছু	प्रति व्यक्ति

অভ্যাস

I. উপযুক্ত শব্দ প্রয়োগ করে বাক্য সম্পূর্ণ করুন।

1. আগামী রবিবার সিনেমা যাওয়া _____।
2. চল, আমরা সবাম্প পিকনিক করতে _____ ।
3. রমেশ কাজা _____ ।
4. ওকে কাজা করতে _____।
5. সবাম্প মিলে কাজা করা _____ ।

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(পড়ুক, থাকুক, ঘুমোক, যাক, লিখুক)

1. সে বাজারে _____ ।
2. সীতা বম্পা _____ ।
3. তারা যেখানে খুশি _____ ।
4. সে চিঠি _____ ।
5. ওরা এখন _____ ।

III. বন্ধনী থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে বাক্য পূর্ণ করুন।

1. সে আজ থেকে বরং পরীক্ষার পড়া _____ । (পড়ুক, পরে)
2. তারা এখন সিনেমা দেখতে _____ । (যায়, যাক)
3. রহিম এখনম্প কাজা _____ । (করুক, করে)
4. সে প্রত্যেকদিন বাজারে _____ । (যায়, যাক)
5. তিনি সকালে _____ । (বেড়াক, বেড়ান)

IV. নীচের বাক্যগুলিতে দাগ দেওয়া শব্দরি বদলে বন্ধনীতে দেওয়া শব্দ ব্বহার করে নতুন বাক্য লিখুন।

1. রমা এখন চিঠি লিখুক। (পড়ুক)
2. তারা এখন থাকুক । (থাক)
3. বিকাশ বম্প পড়ে। (পড়ুক)
4. সলিল বাগানে জল দেয়। (দিক)
5. সে ঘুম থেকে উঠুক। (ওঠে)

V. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলিকে উপযুক্ত রূপে ব্যবহার করে বাক্য পূর্ণ করুন।

1. সে নিশ্চয় কাজটা ____________। (কর)
2. আমি বাজারে __________। (যা)
3. শীলা কোথায় __________ ? (যা)
4. তারা এখন কাগজ ____________। (পড়)
5. তিনি রাস্তায় ____________। (হাঁ)

পড়ে বুঝুন।

কার্যরীতি কার্য পদ্ধতি

যে যাই করুক, আপনি আপনার কাজ করে যান। এই রকম মনোভাবের আজ খুবই দরকার। স্কুলে-কলেজে, অফিসে-আদালতে জীবনের সর্বক্ষেত্রে আজ যে অরাজকতার সৃষ্টি হয়েছে তার মূল সূত্র খুঁজলে দেখা যাবে যে, মানুষ নিজের কাজ ঠিক মতো করছে না। সকলের মনোভাব কাজটা অমুক লোকে করুক। নিজে কাজ না করে অন্যের সমালোচনা করাও একটা অভ্যাসে পরিণত হয়েছে। সবাই চায় অন্যেরা কাজ করবে আর সে তার ফল ভোগ করবে। এইভাবে চলার ফলে দেশে অরাজকতার সৃষ্টি হয়েছে। স্কুলে শিক্ষকরা পড়াচ্ছেন না কিন্তু তাঁরা চান তাঁদের ছেলেকে যিনি পড়াচ্ছেন, তিনি ভাল করে পড়ান। আপনি নিজে ঠিক সময়ে অফিসে আসেন না কিন্তু আপনি যখন ট্রেনের টিকিট কাটতে যান, তখন আশা করেন যে টিকিট ক্লার্ক ঠিক সময়ে আসুক। আপনি ঠিক মতো কাজ করেন না কিন্তু ব্যাঙ্কে গিয়ে আপনি চান যে ব্যাঙ্কের লোকেরা আপনার কাজটা তাড়াতাড়ি করে দিক। সকলেই চায় তিনি কাজ করুন বা না করুন অন্যেরা তাঁর কাজটা ঠিক করে দিক। বাসের জন্যে দাঁড়িয়ে আছেন, বাস ঠিকমতো আসছে না। আপনি যানবাহন ব্যবস্থার সমালোচনা করছেন, সময়ে ট্রেন চলছে না বলে

রেল বিভাগকে দায়ী করছেন। কিন্তু সব বিভাগেশ্প তো আপনার আমার মতো লোক রয়েছেন। নিজের কাজ নিজে ঠিকমতো সবাশ্প করুন, দেখবেন অন্যরাও নিজেদের কাজ ঠিক মতো করছেন।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
কার্যরীতি	কার্য পদ্ধতি, কাম করনে की तरीका
অরাজকতা	अराजकता
সৃষ্টি	सृष्टि
মূল	जड़
সূত্র	सूत्र
সমালোচনা	समालोचना
দায়ী	ज़िम्मेदार, दायी

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. সব জায়গার অরাজকতার কারণ কি?
2. কাজের ব্যাপারে সাধারণের মনোভাব কেমন?
3. নিজে কাজ না করে অন্যের কাছ থেকে সবাশ্প কাজ চান এমন দুঁি উদাহরণ দিন।
4. সবাশ্প যাতে ঠিক করে কাজ করেন তার জন্য সবাশ্পকে কি করতে হবে?
5. বাসের জন্য দাঁড়িয়ে থাকলে লোকে কোন ব্যবস্থার সমালোচনা করে?

II. প্রদত্ত দর্শিবাক্যের মধ্যে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক।

1. সবক্ষেত্রেম্প আজকাল অনিয়ম দেখা যায়।
2. তোমার বাড়ী খোঁজার পর্ব শেষ হল।
3. তাদের অনুষ্ঠানের মধ্যে অনেক অরাজকতা দেখা যায়।
4. রাধাকান্তবাবু রোজম্প সময় মত অফিসে যায়।
5. পোষাকের মাধ্যমে মনোভাবের পরিচয় পাওয়া যায় না।
6. কোলকাতায় পুলিশের প্রধান কার্য্যালয় লাল বাজারে।
7. প্রতি কাজেম্প এত বিশৃঙ্খলা যে কোন কাজ সুষ্ঠভাবে করা যায় না।
8. ঘরের সব জায়গা ধুলায় ভর্তি হয়ে গেছে।
9. অনুসন্ধান করলে তোমার আংর্টি খুঁজে পাবে।
10. অমলের জীবনের প্রতি দৃষ্টিভঙ্গি সাধারণ মানুষের থেকে আলাদা।

III. প্রদত্ত দর্শিবাক্যের মধ্যে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি বিপরীতার্থক।

1. সাদা কালো, সুন্দর কুৎসিৎ সবম্প ঈশ্বরের সৃষ্টি।
2. মানুষের মনের অতিরিক্ত লোভ হিংসা দেশের অনাসৃষ্টির মূল কারণ।
3. কোলকাতা থেকে মুম্বাম্প বেশ দূর।
4. প্রত্যেকর্টি কাজের মধ্যেম্প শৃঙ্খলা রাখা উচিৎ।
5. পরিস্থিতি পরিবর্তনের সঙ্গে মানুষের মূল্যবোধ হারানো উচিৎ নয়।
6. অসুস্থ হলে ডাক্তারের পরামর্শ নেওয়া দরকার।
7. কোলকাতার কাছাকাছিম্প সমুদ্র আছে।
8. সৎ শিক্ষার জন্য ভালো শিক্ষা প্রতিষ্ঠান অনুসন্ধান করা উচিৎ।
9. অদরকারে কথা বলো না।
10. যার জীবন বিশৃঙ্খলায় পূর্ণ সে জীবনে উন্নতি করতে পারে না।

IV. হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

সরস্বতী পূজোর আয়োজন করা হচ্ছে, তখন সবাম্পকে কিছু না কিছু দায়িত্ব নিতে হবে। যেমন শ্রীরামকে দায়িত্ব দাও -- ও প্রথমেম্প কাজের একটা তালিকা তৈরী করে ফেলুক। দেবু, বিলাস, বুদ্ধ দত্তপাড়ার চাঁদা তুলুক। রমন, জয় এরা দাস পাড়ায় যাক। শ্যাম ও মধু বিনোদবাবুকে অনুষ্ঠানের সভাপতি হতে অনুরোধ করুক। বুম্বা, টুপুন ওরা ছোট, ওরা বরং ফল ও ফুল, দশকর্মা আনার দায়িত্ব নিক। আরতি, মেঘা, ঐশী এরা ফুল সাজানো, চন্দন বাটা প্রভৃতি কাজের ব্যবস্থা করুক। শ্যামল, পরান মণ্ডপের দায়িত্ব নিক। সবম্প হলো তবে মনোজ, সুমন কুমোরটুলি গিয়ে একটি সুন্দর প্রতিমা পছন্দ করে আসুক।

এম্পভাবেম্প সবাম্প মিলে মিশে কাজ করুক তবে সুষ্ঠুভাবে অনুষ্ঠানটি পরিচালনা করা যাবে।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

विवेकहीन बंदर

एक राजा था। उसकी मित्रता एक बंदर से हो गई। वह बंदर सदा राजा के साथ रहता था। राजा को वह बंदर बहुत प्रिय था।

एक दिन राजा के मंत्री ने सोचा यदि उस बंदर को राजा के अंगरक्षक का प्रशिक्षण दे दिया जाए तो ठीक रहेगा। मंत्री ने यह बात राजा से कही। राजा ने सहर्ष अपनी सहमति दे दी। मंत्री ने सेना नायक से कहा कि बंदर को तत्काल अंगरक्षक का प्रशिक्षण दिया जाए। नकल करने में तो बंदर बहुत कुशल होता है। उसने शीघ्र ही प्रशिक्षण पूरा कर लिया।

अब तो बंदर पूरे उत्साह से तलवार कंधे पर उठाए राजा के साथ रहने लगा। मंत्री ने बंदर को समझाया कि, वह सावधानी से राजा की रक्षा करे। जब राजा सो जाता तब बंदर नंगी तलवार कंधे पर रखकर राजा के पलंग के चारों ओर चक्कर लगाता रहता। मंत्री ने बंदर को समझाया कि, कोई भी व्यक्ति अंदर न आ जाए। राजा के कक्ष में केवल वही व्यक्ति आ सकता था जिसे अंदर आने की अनुमति दी गई थी। बंदर की उस तत्परता से राजा और मंत्री दोनों बहुत खुश थे।

एकदिन जब राजा सो रहा था, तब बंदर नंगी तलवार अपने कंधे पर रखे, पलंग के चारों ओर घूम-घूमकर रखवाली करने लगा। बंदर बहुत सतर्क होकर रखवाली कर रहा था। तभी उसने देखा, एक बड़ी सी मक्खी राजा के सिर पर आ बैठी है। बंदर ने उसे तत्काल उड़ा दिया। मक्खी नाक से उड़कर राजा की गर्दन पर आ बैठी। बार-बार उड़ाने पर भी मक्खी ने राजा के शरीर पर बैठना नहीं छोड़ा। एक जगह से उड़कर दूसरी जगह बैठ जाती। मक्खी की उस हिमाकत से बंदर की खीज बढ़ गई। उसे मक्खी पर गुस्सा आ रहा था। वह ज्यादा खटर-पटर कर के राजा की नींद में भी बाधा नहीं पहुँचाना चाहता था। इसलिए बंदर ने एकबार फिर तलवार की नाक से मक्खी को उड़ाया। लेकिन मक्खी भी बड़ी ज़िद्दी निकली। वह फिर आकर राजा की गर्दन पर आ बैठी। अब तो बंदर का गुस्सा चरम पर पहुँच गया। एक छोटी सी मक्खी तक उसका हुकुम नहीं मान रही है। इसकी यह मजाल!

बंदर गुस्से में पागल हो उठा। उसने आव देखा न ताव। झट से अपनी तलवार सम्हाल ली। मक्खी पर निशाना साध कर एक भरपूर वार कर दिया। तलवार के वार से मक्खी तो उड़ गई किन्तु राजा की गर्दन धड़ से अलग हो गई। राजा की चिल्लाना सुनकर बाहर खड़े संतरी भीतर दौड़े आए। तभी वहाँ मंत्री भी आ पहुँचा। बंदर की मूर्खता और राजा की हत्या देखकर मंत्री ने यों सोचा, "केवल प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने से कोई योग्य नहीं हो जाता। उसमें स्वयं का विवेक भी होना आवश्यक है। विवेकहीन व्यक्ति को प्रशिक्षण देकर महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी सौंप देने से यही दुर्दशा होगी। ऐसे मूर्खों को मित्र भी नहीं बनाना चाहिए।" इसीलिए तो कहा है -- "नादान की दोस्ती, जी का जंजाल"।

मंत्री मन ही मन अपनी भूल पर पछता रहा था।

VI. আপনার জীবনের স্মরণীয় দিন সম্বন্ধে একটি অনুচ্ছেদ (২৫টি বাক্যে) লিখুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में परोक्ष आज्ञावाचक वाक्यों का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार के वाक्यों में वार्ता करने वालों से पृथक प्रथम पुरूष के कर्ता के प्रति आज्ञा या अनुरोध व्यक्त किया जाता है। इस प्रकार के वाक्यों में स्वतंत्र प्रकार के क्रिया रूपों का प्रयोग होता है। यदि धातु स्वरांत हो तो उसके तिर्यक रूप में '-क' (-क) जोड़ा जाता है। धातु के व्यंजनांत होने पर '-ऊक' (-उक) जोड़ा जाता है। जैसे :

कि रान्ना हबे ताम्प ठिक करा होक। क्या खाना बनेगा, यह तय किया जाए।

তারাম্প বাজার করুক। वे बाज़ार का काम करें।